



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Aarav Nayanbhai Antala

Donated His: Lungs, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 23/04/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



एक ही दिन एम्स अस्पताल और सूरत के किरण अस्पताल से दो अंग दान किए

डेनेट लाइफ द्वारा सूरत में फेफड़े के दान का 17वां और छठें आंत के दान का पहला आयोजन

ब्रेनडेड 9 साल के आरव और 53 वर्षीय नवीनभाई के अंगदान ने 10 लोगों को नया जीवन दिया

सूरत। सूरत में ब्रेन डेड आरव नवीनभाई अंतला उम्र 9 के परिवार ने फेफड़े, लिवर, किडनी और आंखें दान किया और चौधरी समाज के ब्रेन डेड नवीनभाई नानूभाई चौधरी उम्र 53 के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से नवीनभाई की छोटी आंत, लिवर और किडनी दान की। एक दिन में दो अंगदान से दस लोगों को नया जीवन देने के साथ समाज को नई दिशा दिखाई। सूरत से एक दिन में 9 साल के छोटे बच्चे और 53 वर्षीय पुरुष महित दो लोगों ब्रेन डेड लोगों के परिवारों ने अंगदान करने सहमति दिखाने पर अंग विफलता से पिछले दस लोगों को नया जीवन मिला।

सूरत में एक छोटे बच्चे के अंगदान की अभूतपूर्व घटना हुई है। पुनर्जागर के अंतला परिवार ने कक्षा-4 में पढ़ने वाले 9 साल के ब्रेन डेड बच्चे के 6 अंग दान कर इंसानियत की मिसाल पेश की है। सूरत के सिमाइडा इलाके के एम्स अस्पताल में दो दिन से इलाज करा रहे परिवार ने ब्रेन डेड बच्चे के सभी अंगों को दान करने का साहित्यिक फैसला लिया है। ब्रेन डेड बच्चे का लिवर, दो किडनी, फेफड़े और दो आंखें दान कर 6 जरूरतमंद मरीजों को नई जिंदगी दी गई है। दिल, और फेफड़े एम्सीएम अस्पताल चेन्नई और लीवर और किडनी को अहमदाबाद में ट्रांसप्लान्ट के लिए ले जाया गया। बच्चे का हार्ट आकार में छोटा होने से उसका ट्रांसप्लान्ट नहीं हो पाया।



दुसरी घटना मांगरोल तहसिल के आंबावाड़ी के निवासी 53 वर्षीय नवीनभाई नानूभाई चौधरी झाईकर के रूप में इयुटी पर थे। 20 अप्रैल को शाम मोसाली चौराहे के पास चलते जा रहे थे तभी बाईक चालक ने टक्कर मारने से नीचे गिर गए और सीर में गंभीर चोट आयी।

प्राथमिक चिकित्सा के बाद नवीनभाई को सूरत की किरण अस्पताल में भर्ती किया। सीटी स्कैन के बाद न्यूरोलोजिस्ट ने उनके दिमाण में खुन का गश्त जम जाने की बात कही। 23 अप्रैल को चिकित्सकों ने उन्हे ब्रेन डेड घोषित किया और नवीनभाई के परिवार के सदस्यों को अंगदान के बारे में जानकारी दी। डोनेट लाइफ के संस्थापक

निलेशभाई मांडलेवाला ने परिवार की सहमति प्राप्त करके अंगदान की कार्यवाही की। ब्रेन डेड नवीनभाई के पुत्र ने पिता का लिवर, किडनी, और छोटी आंत के दान के लिए सहमति दिखाई।

निलेशभाई ने जानकारी देते हुए कहा कि 23 अप्रैल को एक दिन में सूरत शहर से दो अंगदान की घटनाएं हुईं।

सीटों से संपर्क करने के बाद दो लिवर में से एक अहमदाबाद केडी अस्पताल और दुसरा सूरत के किरण अस्पताल को, चार किडनी में से दो अहमदाबाद और दो किडनी सूरत के किरण अस्पताल को आवंटित की गई। हृदय और फेफड़े चेन्नई की अस्पताल को तथा स्वादुपिंड और आत मुंबई की ग्लोबल अस्पताल को आवंटित की गई।



सूरत से डोनेट लाइफ द्वारा 17वां फेफड़ा दान

चौधरी समाज के ब्रेनडेड नवीनभाई के परिवार ने अंगों का दान कर लोगों को नवजीवन दिया

मानवता की सुगंध को फैलाया और समाज को एक नई दिशा दिखाई

अतुल्य हिन्दुस्तान

संबाददाता

सूरत। चौधरी समाज के ब्रेनडेड नवीनभाई नानूभाई चौधरी के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से नवीनभाई की छोटी आंत, लीवर और किडनी दान कर लोगों को नवजीवन देते हुए मानवता की सुगंध को फैलाया और समाज को एक नई दिशा दिखाई। गुजरात के बडोदरा निवासी 55 वर्षीय महिला में 1602 किमी की दूरी 200 मिनट में काट कर एथरलिफ्ट से चेन्व्रई के एमजीएम अस्पताल में दान में प्राप्त किए गए फेफड़ों का प्रत्यारोपण किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, नागरिक उड्हयन मंत्रालय NOTTO, सूरत हवाईअड्डा प्राधिकरण, इंडिगो एयरलाइस और CISF के सहयोग से वाणिज्यिक विमान के माध्यम से फेफड़ों को चेन्व्रई तक पहुंचाने के लिए इंडिगो की उड़ान में देरी कि गई।

यो. अंबावाड़ी ता. मांगरोल जिला, सूरत के रहने वाले नवीनभाई नानूभाई चौधरी ड्राइवर का काम करते थे। नवीनभाई 20 अप्रैल को शाम साढ़े सात बजे मोसाली चौकड़ी बस स्टैंड के पास टहल रहे थे तभी सुबह एक



ब्राइक ने टक्कर मार दी और सिर में गंभीर चोट लगने से वे गिर पड़े और बेहोश हो गये। परिजनों ने उसे मांगरोल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे के इलाज के लिए सूरत के न्यूरोसर्जन डॉ. किरण अस्पताल रेफर कर दिया गया। भौमिक ठाकोर को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। निदान के लिए सीटी स्कैन पर ब्रेन हेमरेज का पता चला था। डॉ. भौमिक ठाकोर द्वारा दिमाग से खून का थक्का हटाने के लिए कानियोटॉमी की गई थी। 23 अप्रैल को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक

ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हिना फलदू, इंटीसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी व चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने नवीनभाई को ब्रेन डेड करार दिया। डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला से संपर्क किया और उन्हें नवीनभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। नवीनभाई के बेटे निरले ने कहा कि हम एक साथारण परिवार से हैं और हम जीवन में कुछ भी दान नहीं कर सकते। मेरे पिता ब्रेन डेड हैं, उनकी मृत्यु निश्चित है। जब शरीर जल कर राख होने वाला होता है तो

आप अंगदान कर अंगदान विफल रोगी को नया जीवन देने के लिए आगे बढ़ते हैं। बेटे निरले ने अपने पिता का लिवर, किडनी और छोटी आंत दान करने को तैयार हो गये।

डोनेट लाइफ द्वारा सूरत और दक्षिण गुजरात से कुल 1117 अंग और ऊतक दान किए गए हैं, जिनमें 464 किडनी, 199 लीवर, 45 दिल, 34 फेफड़े, 8 अग्न्याशय, 4 हाथ, 1 छोटी आंत और 362 नेत्रदान से देश-विदेश के कुल 1025 व्यक्ति को नया जीवन और नई दृष्टि देने में सफल हुए हैं।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



સુરતના બ્રેઇનડેડ બાળકે જ દર્દીને આપ્યું નવજીવન

પરિવારે એકના એક દીકરાના હદ્ય, લીવર, બે કિડની, ફેસા અને બે આંખોનું દાન કર્યું

સુરત, તા. ૨૪: સુરતમાં બાળકના અંગદાનની અભૂતપૂર્વ ઘટના બની છે. પૂણા ગામના અંટાળા પરિવારે પોતાના એકના એક ધોરણ-૪ માં અભ્યાસ કરતા માત્ર ૬ વર્ષના બ્રેઇનડેડ બાળકના જ અંગોનું દાન કરીને માનવતાની મિસાલ કાપમ કરી છે. એઈમ્સ હોસ્પિટલમાં બે હિસ્તથી સારવાર વઈ રહેલું બાળક બ્રેઇનડેડ થતા બાળકના પરિવારે તમામ અંગોનું દાન કરવાનો હિંમતભર્યો નિર્ણય કર્યો. બ્રેઇનડેડ બાળકના હદ્ય, લીવર, બે કિડની, ફેસા અને બે આંખોના દાન કરી જ જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓને નવજીવન આપ્યું છે. હદ્ય, અને ફેસા એમ.જી.એમ. હોસ્પિટલ-ચેમાઈ તેમજ લીવર અને કિડની કે.ડી.હોસ્પિટલ- અમદાવાદની ટીમ દારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે વઈ જવામાં આવ્યા છે.



મૂળ અમરેલી જિલ્લાના ધારીના વતની અને સુરતના પૂણાગામ વિસ્તારમાં રહેતા નયનભાઈ અંટાળા રલકલાકાર છે. સામાન્ય આર્થિક સ્થિતિ ધરાવતા નયનભાઈને સંતાનમાં ૬ વર્ષથી પુત્ર આરવ એકનો એક હતો. ગત તા. ૧૮ની એપ્રિલના રોજ રમતા-રમતા આરવને માથાના ભાગે ઈજા થઈ હતી. જેથી પરિવારજનો તેને તાત્કાલિક સારવાર માટે કામરેજની વાતસ્થ

હોસ્પિટલમાં વઈ ગયા. જ્યાં ક્રિક્યુલન વતની અને સુરતના ક્લાસરિયાનો પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ બાળકની ઈજાની ગંભીરતા સમજ રિમાય ખાતે આવેલી એઈમ્સ (અમેરિન્ઝ) મલ્ટીસ્પેશયાલિટી હોસ્પિટલમાં રિકર કર્યા હતા. એડી ન્યૂરોસર્જન તબીબોની ટીમના ડૉ.મૌલિક પટેલ, ડૉ.હિપેશ કકડ, ડૉ.હિતેશ વિનોડને સારવાર શરૂ કરી. તેમણે બાળકનો જીવ બચાવવા

આઈ.સી.યુ.માં ખસેડી તાત્કાલિક બ્રેઇન ઓપરેશન કર્યું. ત્રણ દિવસ બાદ આરવને બ્રેઇનડેડ જહેર કરવામાં આવ્યો.

બાળકના મહામૂલા અંગોના દાનથી જરૂરિયાતમંદને નવજીવન મળી શકે તેમ હોવાથી બાળકના જ પરિવારમાંથી આવતા ડૉ.ચતુરભાઈ ગેબરિયા તેમજ એઈમ્સ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોને પરિવારજનોને અંગદાન અંગોની સમજ આપી હતી. ડૉનેટ લાઈફ સંસ્થાના નિલેશભાઈ માંડલેવાલાના સહયોગથી સોટો અને નોટોની ગાઈડ લાઈન મુજબ અંગદાનની પ્રક્રિયા પાર પાડવામાં આવી હતી. વડોદરા સુરત શહેર પાંલીસ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અધિકારીઓ, પોલીસ કર્મચારોએ અંગો લઈ જવા બે-બે ગ્રીન કોરિડોર બનાવી ઉમદા સહયોગ આપ્યો હતો.



सूरत में पहली बार छोटी आंत का दान ब्रेनडेर 53 वर्षीय नवीनभाई के अंगों से 6 को मिला नया जीवन

सूरत | सूरत में पहली बार किसी व्यक्ति की छोटी आंत का दान किया गया है। जिससे 6 लोगों को नया जीवन मिला। रविवार को मांगरोल जिला निवासी नवीनभाई नानुभाई चौधरी को डॉक्टरों ने ब्रेनडेर घोषित कर दिया। नवीन भाई का एक्सीडेंट हुआ था। इलाज सूरत की किरण हॉस्पिटल में चल रहा था। रविवार को नवीनभाई को ब्रेन डेर घोषित कर दिया गया। परिवार की सहमति के बाद डॉक्टर महेल पांचाल ने डोमेट लाइफ की टीम ने नवीनभाई के परिवार के लोगों को अंगदान के बारे में समझाया। इसके बाद परिवार के लोगों ने नवीनभाई का अंगदान करने के लिए अपनी सहमति दे दी। सोटो



द्वारा एक लौवर किरण हॉस्पिटल में तो वहीं 2 किडनी अहमदाबाद के आइक्डीआरसी हॉस्पिटल में दिया गया। वहीं लम्स का दान चेल्हाई के एमजीएम हॉस्पिटल के डॉक्टर राम को और आंत का दान मुबई के ग्लोबल हॉस्पिटल के डॉ. आदित्य नानावती द्वारा स्वीकार किया गया। जबकि अंगों का दान लोक दृष्टि ने स्वीकार किया।

आखर पिशेष | नाना आंतरडा साथे सुरत- मुंबईनुं अंतर हवाईमार्ग 110 मिनिटमां कपायुं ब्रेनडेर शखसे बांगलादेशना युवानने नपञ्जुवन आयुं

आखर पिशेष मुंबई

सूरतथी मुंबई 292 डिलोमोटरनुं अंतर 110 मिनिटमां ड्यार्टी भाई नाना आंतरडा, लिवर अने किडनीओनुं दान मुश्लमां डोमेट लाईक्ना मायथमधी 29 वर्षीय दस वर्षितव्योने नपञ्जुवन बहो बांगलादेशना नागरिक 29 वर्षीय युवानमा भुवठीनी ग्लोबल हास्पिटलमां करवामां आयुं छन्। लेउवा पेटेल समाजना ब्रेनडेर अारव नपञ्जुवनभाई अंतरडा (9 वर्षीना परिवारे आरपाना फेक्सा, लिवर, किडनी अने यशूओं तेम जीधरी) समाजना भुवठीनी ग्लोबल

नवीनभाई नानुभाई चौधरी (53 वर्षीना परिवारे नवीनभाईना नाना आंतरडा, लिवर अने किडनीओनुं दान मुश्लमां डोमेट लाईक्ना मायथमधी 29 वर्षीय दस वर्षितव्योने नपञ्जुवन बहो बांगलादेशना नागरिक 29 वर्षीय युवानमा भुवठीनी ग्लोबल हास्पिटलमां करवामां आयुं छन्। लेउवा पेटेल समाजना ब्रेनडेर अारव नपञ्जुवनभाई अंतरडा (9 वर्षीना परिवारे आरपाना फेक्सा, लिवर, किडनी अने यशूओं तेम जीधरी) समाजना भुवठीनी ग्लोबल

वर्षी 292 किलोमीटरनुं अंतर ड्यार्टी मार्ग 110 मिनिटमां क्रापीने दानमां मेणव्यामां आवेला नाना आंतरडेरनुं द्रान्स्प्रेलान्ट बांगलादेशना रहेवासी 29 वर्षीय युवानमां भुवठीना ग्लोबल हास्पिटलमां ड्र. गोरव चौधर अने तमनी टीम द्वारा करवामां आयुं छ, ज्यारे दानमां भेणव्यामां आवेला अन्य अंगों विविध शोरेमां भोक्लवामां आयुं हातां।

विमानना उड़ाजाने भोदुं उपायवामां आयुं छ, ज्यां केन्द्र सरकारना द्वारा स्थ भंगालय, मुश्ली उद्ययन भंगालय नोडी, नुस्त एरेपोर्ट आयोरिटी, ईन्डिया एरलाइन्स अने सीआईएसओक्नो सलडकार सापेजो छतो।

नप वर्षीय पुनर्ना भद्रां ४ अंगों छेवा के हट्य, फेक्सा, स्वाइपिंड, नानुं आतरेकुं, लिवर, किडनी अने यशूओनुं दान क्यावी तेना जेवा ४ बालकोने नपञ्जुवन आपवा माटे आप आजण वयो, आरव डॉ. बी. कार्प विद्यासुकुलमा धारपु. ५मां अन्यास करतो लतो, आरवना पिता नपञ्जुवनभाई डिरप्रा लेसमां रल क्लाइर तरीके कार्प करे छ, माता किरपालेन गुणिती १५. बहेन पिता (15) डॉ. बी. कार्प विद्यासुकुलमा धोरान-१०मां अप्यास करे छ,

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



પહેલી વખત બ્રેઇન ડેડ વ્યક્તિના નાના આંતરડાનું દાન કરવામાં આવ્યું

માંગરોળના

આંબાવાડીના
રહેવાસીનું આંતરડું
બાંગલાદેશ મોકલવામાં
આવ્યું

સુરત : સુરત શહેરમાંથી અંગદાનની વધુ એક ઘટના સામે આવી હતી. જેમાં સુરત જિલ્લાના માંગરોળ તાલુકાના નાનકળા ગામના બ્રેઇનડેડ 53 વર્ષિય આધેડના લીવર-કિડની અને નાના આંતરડાનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. નાના આંતરડાનું પહેલી વખત દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જજાવ્યું હતું કે સુરત જિલ્લાના માંગરોળ તાલુકાના આંબાવાડી ગામના વતની નવીનભાઈ નાનુભાઈ

ચૌધરી (53 વર્ષ) દ્રાઈવર તરીકે ફરજ બજાવતા હતા. 20 એપ્રિલે તેમને મોસાલી ચોકડી પાસે બાઈક સવારે તેમને ટક્કર મારતા તેઓ નીચે પડી ગયા હતા અને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. 22 એપ્રિલના રોજ ન્યુરોસર્જનોએ તેમને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા હતા. ત્યાર બાદ ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી નવીનભાઈના પુત્ર નિરલ, ભાણોજ અવિચલ અને સિદ્ધાંત મોટાભાઈ અન્ધિનભાઈ અને પરિવારના અન્ય સત્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી.

પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપી હતી. ત્યાર બાદ નવીનભાઈની કિડની, લિવર અને નાના આંતરડાનું દાન કરાયું હતું. કિડની અને લિવર કિરણ

હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યા હતા. નાના આંતરડા મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યા હતા.

મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલનું ર૧૮૨ કિલોમીટરનું અંતર હવાઈ માર્ગ ૧૧૦ મિનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા નાના આંતરડાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બાંગલાદેશના રહેવાસી ૨૮ વર્ષિય યુવકમાં મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જામનગરના રહેવાસી ઉ.વ. ૬૪ વર્ષિય વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં સુરતના રહેવાસી ઉ.વ. ૫૮ વર્ષિયમાં વ્યક્તિમાં અને સુરતની રહેવાસી ઉ.વ. ૨૮ વર્ષિય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે.



માંગરોળના આધેડના અંગદાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત સોમવાર

માંગરોળના ચૌધરી સમાજના બ્રેઇનડેડ આધેડના લીવર, બે કિડની અને નાના આંતરડાના દાન કરીને જરૂરિયાતમંદ ૪ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષીને સામાજમાં નવી દિશા બતાવી છે.

ચૌધરી સામાજના નવીનભાઈના લીવર, કિડની, નાના આંતરડાનું દાન: બાળાદેશના યુવાનમાં નાના આંતરડાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

માંગરોળમાં આંબાવાડીમાં રહેતા અને ડ્રાઇવર તરીકે ફરજ બજાવતા પ્રત્યે વર્ષીય નવીનભાઈ નાનુભાઈ ચૌધરીએ ગત તા. ૨૦મી સવારે મોસાલી ચોકડી પાસે બસ સ્ટેન્ડ નજીક ચાલતા જતા હતા. ત્યારે તેમને બાઈક ટક્કર મારતા ઈજા થતા સારવાર માટે માંગરોળના સરકારી હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા. ત્યાંથી વધુ સારવાર માટે સુરતની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. જ્યાં તેમનું સીટી લેન કરતા બ્રેઇન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. અહીં ન્યુરોસર્જન સહિતના ડોક્ટરોની ટીમે તા. ૨૭મીના નવીનભાઈને બ્રેઇનડેડ જહેર કર્યો હતો.

આં અંગે જાણ થતા ડોનેટ લાઈફ ટીમે

હોસ્પિટલ પહોંચીને તેમના પરિવારજનોને અંગદાન અંગેની સમજ આપતા કિડની, લીવર અને નાના આંતરડાનું દાન કરાવવાની સંમતિ આપી હતી. જ્યારે સુરતથી મુંબઈની હોસ્પિટલનું ૨૯૨ કિલોમીટર અંતર હવાઈ માર્ગ ૧૧૦ મિનીટમાં કાપીને દાનમાં મળેલું નાના આંતરડું બાળાદેશમાં રહેતા ૨૮ વર્ષીય યુવાનમાં, લીવરનું જામનગરના રહેતા ૬૪ વર્ષીય વૃઘમાં તથા એક કિડની સુરતમાં રહેતા ૫૮ વર્ષીયમાં વ્યક્તિ અને બીજી કિડની સુરતમાં રહેતા ૨૮ વર્ષીય મહિલામાં સુરતની હોસ્પિટલની ટીમ દ્વારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.



માંગરોળના આધેડના આંતરડાનું બાંગલાદેશના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

| સુરત |

માંગરોળના ચૌધરી સમાજના બેઈનડેડ આધેડના આંતરડા, લીવર અને કિડનીનું દાન પરિવારે જાગૃતિની મિસાલ કાયમ કરી છે. ડ્રાઇવિંગના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા આધેડના નાના આંતરડાનું બાંગલાદેશના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

માંગરોળ તાલુકાના આંબાવાડી ગામમાં રહેતા નવીનભાઈ નાનુભાઈ ચૌધરી (ઉ.વ. ૫૭) ડ્રાઇવિંગના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા હતા. જતતા. ૨૦મીએ સાંજે તેઓ મોસાલી ચોકડી નજીક આવેલા બસસ્ટેન્ડ પાસેથી ચાલતા જઈ રહ્યા હતા ત્યારે એક બાઈકચાલકે તેમને ટક્કર મારી હતી. જેને લીધે સર્જીયેલા અકસ્માતમાં નવીનભાઈને માથામાં ઈજા થતા બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમની પ્રથમ સારવાર માંગરોળની સરકારી હોસ્પિટલમાં કરાવ્યાં બાદ પરિવારના સભ્યો

વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં લાવ્યા હતા. જ્યાં સીટીસ્કેન સહિતની તપાસ કરાવતા નવીનભાઈને બેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ તબીબી ટીમે ઓપરેશન કરી મગજમાં જામેલો લોહીનો ગઢો દૂર કર્યો હતો. જોકે, સારવાર બાદ પણ તેમની તબિયતમાં સુધારો નહીં આવતા તબીબી ટીમે તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમની સમજાવટ બાદ નવીનભાઈના પરિવારના સભ્યો અંગદાન કરવા રજી થયા હતા.

નવીનભાઈ નાના આંતરડા, લીવર અને કિડનીનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. મુંબઈની હોસ્પિટલનું ૨૮૨ કિલોમીટરનું અંતર હવાઈ માર્ગે ૧૧૦ મિનિટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા નાના આંતરડાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બાંગલાદેશના ૨૮ વર્ષીય યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.



ગૌરવ | શહેરમાં બાળકના અંગદિનની અભૂતપૂર્વ ઘટના, અંટાળા પરિવારે એકનો એક પુત્ર ગુમાવ્યો હતો
પૂણાના 9 વર્ષના બ્રેઇનડેડ બાળકનાં અંગદિનથી 6ને નવજીવન

ફેલ્ઝ રિપોર્ટ | સુધી

શહેરમાં નાનકડા બાળકના
અંગદાનાની આલ્પુર્વ ઘટના બની
છે. પૂછા વિસ્તારમાં રહેતા અંગદાન
પરિવારે ધોરણ-કાંઈ અભ્યાસ
કરેતા પોતાના એકના એક ૫
વર્ષના બેઠનેડુપુરના ૬ અંગેનું
દાન કરીને મનવતાની નવીન
મિશાલ કાપય કરી છે. બેઠનેડુપ
બાળકના વિચર, ૨ કિડ્ની, ફેફસ
અને બેને આંગેનું દાન કરીને ૬
જુલાઈનું દાદીઓને નવજીવન
આપ્યું છે. ડેકસાં અમ.જી.અમ.
હોસ્પિટલનેને તેમજ વિચર
અને કિડ્ની કે.રી. હોસ્પિટલ
અમદાવાનાની દીમે દ્રાન્યકાનાન્ટ માટે
સર્વી દ્વારા બતા.

અમરેલી જિલ્લાના પાણીના
વતની અને પુષ્પાં યોગીઓનું પાસે



આગણને સૌ ઉપસ્થિતે સલામી આપી હતી

योगीदासन सोसायटीमां रेतेता नवनवाई अंटाणा रलक्षणाकारे छे. आमान्य आर्थिक स्थिति प्रवापता नवनवाईन संतानामा अडमाप्र ७ वर्षायु पुल आख्य छतो. जत १९५५भे रमता-स्यामा आख्यने माहाना भागे ठिक्क थई छती. केशी परिवारजनो

卷之三

આનાથી મોટું સેવા
કાર્ય શં હોઈ શકે?

આરવ કુનિયામાં નથી
રહ્યો પણ અગ્રદાનની
કોઈના શરીરમાં જીવત રહેતો હોય
એનાથી મોટું સેવકાર્ય વળ્યું શું કાઢે
રહ્યે? એની લાગકીની આરવના
રાક્ય હોય તે તમામ અગ્રોહી
દાન કરવા આગળ વયના નિયાય
લેવાયો હતો. «પરિવારજનો»

તારીખોની ટીમે સારવાર શહેરી
તાત્કાલિક બેઠન અંગે રેનન કંઈએ
હનુ. જો.કે. વાહુ દિવસની સારવાર
બાદ 22મીંગે રાતે આરવને

જેઠિનું જીલ્ડર કરાયા લાતા.
આજકાના પરિવારમાંથી જ
આપતા ડૉ. ચતુર ડેઅરિયા
એઝીસ્સના ડૉ. જિલ્લાશ ધામેલીયા

અને તો કિંતે વિશ્વાગ્રહ
પરિવારજનને અંગદાન કરે
સમજ આપી હતી. બાલસોયા
પુત્રને ગુમાવનાર માતાપિતા
કરાશેન અને નયનાઈથ
સહિત શોકાતુર અંટાળા પરિવારે
અંગદાનનો મનવતાભંગ નિર્ણય
કર્યો હતો. પરિવારની સંમેતિ
બાદ ગેંટ લાઈફના નિવાસ
માંલુલેવાલાના સહેયાંગીઓ સોટો-
નોટોનો ગાઈડલાઈન મુજબ
પ્રક્રિયા પૂરી કરાઈ હતી. જેમાં 2
લોલિટલાની ટીમ વિશ્વાગાની
એઝર્સી મલ્ટીસેચનાલિટી ગાતે
આવી હતી. આમ શરેન્સના
તથા બોનાના પ્રયાસો અને અંતાણા
પરિવારની દરિયાદિલીથી 6 ટક્કાના
જીવન કરી પોતી ઉદ્દેશો. નાનાકો
આરુ પણ જાતા જતા મનવતાની
મેરે કેલાવતો નથેં છે.

સૂરતમાં અંગદાનની અભૂતપૂર્વ ઘટના

પૂણાના અંટાળા પરિવારના નવ વર્ષના બ્રેઇનડે
બોળકના અંગોનંદાનઃ ફદ્દીઓને નવજીવન મળ્યાં

શુદ્ધ ના. ૨.૩

સુરતમાં નાનકાય બેગડાના
અંગદાનની આખરિપૂર્વ રૂપના કણી છે.

પૂર્વ જામના અરામ પરીચિત હોતાના
અંગદનું એક ધોરણ-૫ માં જાળ્યાં
કરતા માત્ર એ વર્ષના લોનીને બેગડાના



શુદ્ધિકારથી બે દિવસાની સારાવત વાઈ
દોડું આજ પેટનેક ઘણા આગણા
પરિવારે તમણ અંગેદું ઘણ કરવાનો
હિમતાનો નિર્ભય રૂપો પેટનેક
આગણા ખીચર, બે કિંના, કેકા અને
બે અંગેનો ઠાન કરી છ જરૂરિયાતમણ

દાખિલે કુલન આપ્યું છે. ફરજાન
અમદાબાદ, લોયિટલ-વ્યાર્ડ તેમણે
લીધર અને ડાના કે.પી.લોયિટલ-
અમદાવાદની ટીમ કરા ટ્રાન્સલાન્ડ માટે
લઈ જવાયું છે.

અમૃતલો જિલ્લાના પાંચના કરતાની
અને સુરાના પૂર્વા જામ, યોગીઓ પાસે

File: 2020-04-20-100

શ્રીમતી સુ. આર્ય નથન બટાળ

ગુજરાતી સમાજ વિષય બદલ્યો

પોર્ટરિયાન સોલાપટીમાં રહેતા નયાન અંતરા રસ્તાખાડા છે. નયાનભાઈને સંતાળમાં એકાજાન દર વાર્ષિક પુણ આરય હતો. તાજાદાની એપિલે રાતા-ચેપા આરયને માધ્યમાં આગે રિલ થઈ હતી. જેણી પરિવારકર્ણો તેને તાત્કાલિક સારાવાર માટે કામેરણની લોઝિયલમાં

अनें डो छिलेथ चिसोइने परिवारक्कनोने सुसारी येनेट बाईक संस्थाना निवेश

www.ijerph.org | ISSN: 1660-4601 | DOI:10.3390/ijerph16030730

ਲਾਵਰ, ਬੈਕਸਾ, ਕੱਤੂ ਅਨ ਬੈਕਸਾਨੂ ਫਾਨ ਫਰਵਾਮਾ ਆਇ, ਕੱਤੂ।

અન્યાંસી હિંગાલું તેમ લોએ ગણાયે માર્ગ જીવામાં આવે

અંગરાણ અંગેની સમજ આપી કરી. માત્રાપિતા ડિવાલેન અને નયાનાઈ સહિત શક્તિપત્ર અંતાના પરિવારને આપે હેઠળ એવે અંગરાણ રક્તાથો માનવાનાનું અને ડિમાન્ડારીની નિર્દ્ધારણ આંગે હતો. પરિવારજ્ઞાને જાણાયું કે, અંગરાણની અન્ય લોકોને કબનાણ મળે છે એવી માંડિલેવાના સહયોગથી ચોરે અને નેટેની ગાર્ડિલાઈન મુજબ અંગરાણની પ્રક્રિયા પાર પાત્રાનું આપી હતો. કેસા મેળ્ખ અંગે, પ્રૈવીટ્-બેન્ડ્ડ તેમજ વીપરે અને ડિઝાઇનેડ-ઓફિશિયલ-અમદાવાદની ટીમ લગ્ન વાનાલાન્ડ માટે વહી જાત્યામાં આવ્યા હતા.

"जीते जी रक्खान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

અતા અતા પડી જવાથી ગંગીર છજ થતા બેસન ડેસ જહેર થયેલા

પુણાના 9 વર્ષના બાળકના અંગોનું દાન: 6 વ્યક્તિઓને નપજુવન મળશે

પુણા અટાણા પરિવારના
બેસન્ડેક બાળકના 6
અંગોનું દાન, કેક્સા
એમ જી રેમ, હોસ્પિટલ-
યોજાઈ તેમજ લીવર અને
કિડની કેડી હોસ્પિટલ,
અમદાવાદને કાળવાયા



ન્યૂડોક્સર્જન રલીનોની ટીમના
ડૉ. સોલિલ પટેલ, ડૉ. વિષેષ કેડ્ડ,
ડૉ. હિત્યુ ચિંગુલાનો સારવાર
શરીર. નેમને બાળકનું જુદુ
અભાવના લઈ કીનું આ ખાસી
તાત્કાલિક લેરીન સ્પેલેક્શન કર્યું.
ન્યૂડોક્સર્જન, ઝાઈસીસ્ટ, તનીલો
ટીમની મધ્યેના છતાં આરવની
લાભિતાનો લોઈ સુધારો થશે
નાણો. અને હિંજ જાદ આરવને
બેસન્ડેક લોઈન કરવામાં આવો

સુરત: પુણા અમના લોટાણા
પરિવારે પાતાણા લેટાણા અને
ઠોડાઠોનું જીવના કરતા માત્ર
દાનના બેસન્ડેક બાળકના કે
અંગોનું દાન કરતાં ક દ્વારાને
નાનજુવન ગયાનું છે. કેક્સા
એમ જી રેમ, હોસ્પિટલ-યોજાઈ
ટેમજ લીવર અને કિડની કેડી,
હોસ્પિટલ-યોજાઈની ટીમ જીવન
દ્રાગાનાં માટે કરી જાતા હુંદા.

મન માટીની જ્ઞાનુદૂર દાનાના

સુરતના પુણા જીવન, યોગીયોક

રહેતા રલેફલાકાર જીવનમાં

લોટાણા મૂળ અમરેલી વિલાલા
લાલાણા વન્ના છે. તેમને રંગાણો
લાલાની લેટ કાર્બિ પુર આરવ
હત્તે. 19મી થેપિલા દોષ રહ્યાના
અનુભાવ આરવને માલાણા અને રાજા
બાંદી હુંદી. જેણી પરિવારનાને તેણે
તાત્કાલિક જીવનાનું મારો કામેરોની
બાલાણ લોટાણોમાં ઉર્જ જાયા,
જ્યાં કુર્દ પરણા ડોટીએમ
કલારિયાનો પાયામિક જીવનાનું
કરતાં કરતાં કરતાં કરતાં કરતાં
આયા જાદ જાલાણની કંઈની
ગંભીરતા જીવન લીમાણ આતે
આંદોલની લોકીની મંજુષા
લોટિયાની રિસ્ટ્રેક્ચર્સ રહેતા, અની

કરતા ગુરુત્વાલા માટે લાઈ જીવાના
આયા હતા. વર્દેરા જુરૂટ હેડ
પોલીઝ, ક્રુફિના એલીવાનીનો,
પોલીઓનીનીનો અંગો લઈ જાન
નેની ગીલ લોરોડ બનાવી ઉપરા
કાંદ્યોગ જાતાં હતા.

8 વર્ષના બેઈનડેક બાળકનાં 6 અંગોનું દાન

| સુરત |

સુરતમાં અંગદાનને લઈ લોકોમાંના
આવેલી જાગૃતિ વચ્ચે પુણાગમના અંટાણા

પરિવારે કાણજાના કટકા
સમાન દ વર્ષના પુત્રને
તબીઓએ બેઈનડેક
ઘોષિત કરતા નેના લીવર,
કેક્સાન, અને કિડની અને

અંગોનું દાન કરી
સમાજને એક પેરથાદાયી ઉદાહરણ પૂર્ણ
પાડ્યું હતું. મૂળ અમરેલી જિલ્લાના પારીના
વતની અને હાલ, પુણાગમ, યોગીયોક રિયન
યોગીદર્શન સોસાયટીમાં રહેતા નયનભાઈ
અંટાણા વ્યવસાયે સલક્વાકાર છે. જાત તા
જાન્મીએ નયનભાઈનો દ વર્ષીય પુત્ર આરવ
રમી રહ્યો હતો ત્યારે તેને ભાષામાં હજી થઈ
હતી. તથીથી તીમે બાળકનો જીવ ભાગવા
આઈસીયુમાં દાખલ કરી તાત્કાલિક મજજુનું
ઓપરેશન કર્યું હતું. પરંતુ જેવા ડિવસ પણી પણ
આરવની તખ્યતમાં સુધીયો નાઈ આવતા
શનિવારે રાત્રે આરવને તબીબી ટીમે બેઈનડેક
ઘોષિત કર્યો હતો. હોસ્પિટલના તબીબોએ
અંટાણા પરિવારને અંગદાનનું મહાવ
અમલજીવતા તેઓ આરવના લીવર, કેક્સાન, અને

કિડની અને આંખોનું દાન કરવા રાજ થયા
દાન કરવાનો નિર્ણય બઈ સમાજમાં એક
કાંદ્યોગ જાતાં હતી.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેક કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



પુણાના ૮ વર્ષના બાળકના અંગદાનથી ઈ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિદ્વારા)

સુરત રવિવાર

પુણાના ૮ વર્ષના બ્રેઇનડેડ બાળકના લીવર, બેકિડની, ફેફસા અને આંખોના દાન થકી જરૂરિયાતમંદ હ વ્યક્તિને નવજીવન આપીને સામાજને નવી દિશા બતાવી છે.

મૂળ અમરેલીના અંટાળા પરિવારે પોતાના એકના એક પુત્ર આરવના લીવર, બેકિડની, ફેફસા અને આંખાનું દાન કર્યું

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના ધારીના | ન્યુરોસર્જન સહિત ડોક્ટરોની ટીમે વતની અને હાલમાં પૂણા ગામ યોગીયોક | તા. ૨૨મીની રાત્રે આરવને બ્રેઇનડેડ જાહેર પાસે યોગીદર્શન સોસાયટીમાં રહેતા રત્નકલાકાર નયનભાઈ અંટાળાને સંતાનમાં ૮ વર્ષનો આરવ એકનો એક પુત્ર હતો. ધો. ૪માં ભણતા આરવને તા. ૧૮મીએ રમતા-રમતા માથામાં ઈજા થતા પરિવારજનો સારવાર માટે કામરેજની ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા. ત્યાંથી વધુ ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં જ્યારે લીવર અને સારવાર માટે સિમાડાની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. અહીં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે લઈ જવામાં આવ્યા હતા.



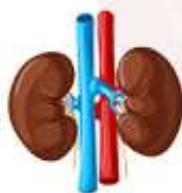


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 23TH April, 2023



**464
KIDNEY**



**199
LIVER**



**45
HEART**



**34
LUNGS**



**08
PANCREAS**



**01
INTESTINE**



**362
CORNEA**



**04
HANDS**

TOTAL 1117 ORGANS & TISSUES DONATED,

**which has given New Life & Vision to 1025 persons
across Country & Globe.**

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."